



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 18, 1987/ज्येष्ठ 28, 1909

No. 13]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 18, 1987/JYAISTHA 28, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज 6

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1)

के अधीन सूचनाएं

नई दिल्ली: 9 जून, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/37 दृ ३/9-86/91—अतः मुझे टी. के. साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ के अधीन सशम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यारज सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संपत्ति है तथा जो 3, फ्लेग स्ट्राफ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), 'सशम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 अ के अधीन तारीख मितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

के पक्ष में प्रविष्ट अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्षित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 26-अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

1. श्रीमति सत्या मल्होत्रा
- 3, फ्लेग स्ट्राफ रोड,
- सिबिल लाईंस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सुमित्रा गुप्ता व श्रीमति शान्ति देवी

24/13, शक्ति नगर, दिल्ली-110007

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विपक्षीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 3 प्लेग स्टाफ, रोड, नई दिल्ली 490 बर्ग मीटर सिविल लाइंस, नई दिल्ली।

तारीख 9 जून, 1987

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE VI

NOTICES UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Scq)|R-VI|37EE|9-86|91.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. situated at 3-Flag Staff Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Smt. Satya Molhotra 3, Flag Staff Road, Civil Lines, Delhi-110054.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Gupta & Smt. Shanti Devi 24/13, Shakti Nagar, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"3, Flag Staff Road, Delhi 490 sq. mts|Civil Line, Delhi."

Date: 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/37 द ६/९-९६/९२:—अतः मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कह. गया है) की धारा, 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसमें उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो 8ए/12, डब्ल्यू ई ए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपरबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा, 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्री/श्रीमति/कुमारी मोटोर एंड जनरल फाइनेंस लिमि.
एम जी. एफ हाउस, 17बी, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमति/कुमारी रतन एक्सपोर्ट एंड इंडस्ट्रीज लिमि.,
ए-130, अशोक विहार-3,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन हेतु लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

209.5 वर्ग गज 2 1/2 स्टोरिड हाउस
अए/12, डब्ल्यू इ ए करोल बाग, नई दिल्ली।

तारीख 9 जून, 1987

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. IAC. (Acq)/R-VI/37EE/9-86-92.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. situated at BA/12, W.E.A. Karol Bagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Motor & General Finance Ltd.,
M.G.F. House, 17B. Asaf Ali Road, New
Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Rattan Export and Industries Ltd. A-
130, Ashok Vihar-III, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"209.5 sq. yds. 2-1/2 storeyed house on 8A/12, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi."

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्व./6/एस आर-3/9-86/442
अतः मुझे टी के साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या, है तथा जो एम जी एल नं. 10472 बार्ड नं. 16, प्लॉट नं. 44, ब्लॉक नं. 15-ए, डब्ल्यू इ ए, करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मूल्य से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के परम प्रतिशत अधिक है और अन्तरक

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिद्ध निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारितियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा

1. श्री/श्रीमति/कुमारी जे एल बिरमानी सु. स्वर्गीय टी प्रार बिरमानी 7ए/73 डब्ल्यू ई ए, करोलबाग, नई दिल्ली और डब्ल्यू सी जनरल एंटीरनी वेदप्रकाश बिरमानी सुपू. टी प्रार बिरमानी 17-मॉडल टाउन, अम्बाला, सिटी, पंजाब। (अन्तरितों)
2. श्री/श्रीमति/कुमारी विकस एजेंसी प्रा. लिमि. ए-4, मायापुरी फेस-1, द्वारा के. एस. चावला, (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रावर्ती विवरण एम पी नं. 10472 वार्ड नं. 16,

प्लॉट नं. 44, ब्लॉक-35ए, डब्ल्यू ई ए करोल बाग, नई दिल्ली।
ताबादी 266.6 वर्ग गज।

तारीख 9 जून, 1987

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. IAC. (Acq.) R-VI/SR-III/9-84/442.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Mp. No. 10472, Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-A situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri J. L. Birmani s/o Late Shri T.R. Birmani, 7A/73, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, and duly constituted General Attorney of Shri Ved Prakash Virmani s/o. Shri T. R. Birmani, 17-Model Town, Ambala City Punjab. (Transferor)
- (2) M/s. Vikash Agencies Private Limited, A-4, Maya Puri, Phase-I, New Delhi, through it Director Shri K. S. Chawla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"Property bearing Municipal No. 10472, Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-a situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring 266.6 sq. yds."

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

नियम सं. आर्. ए. सी./एनए./6/एस आर3/9-86/446—
अतः मुझे श्री टी के साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ... है तथा जो प्लॉट नं. 1, ब्लॉक नं. 16-बी, देशबंधु गुप्ता रोड करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्रीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियम में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शर्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी धर्मबीर सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरिचंद, निवासी 431, मथुरा रोड, जंगपुरा नई दिल्ली तथा श्री. पी. ओपड़ा द्वारा एटोर्नी कंसमजीत सिंह, गोदी सुपुत्र बलदेव सिंह, गोदी, ए-89, नीतिबाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री जयकुमार मिराती हरजसपात सिंह आर०के० छाबड़ा, श्रीमती एन० के० छाबड़ा, श्रीमती गुरशरन कौर, मिस मनमोहन कौर मोधी, श्रीमती यमिनंदर गोधी जाबला फेमिसी प्रा०ट्रस्ट 1-116 जयोक विहार, नई दिल्ली । (अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जातस्त्यक्तों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1 ब्लॉक नं. 16-बी, देशबंधु गुप्ता रोड, करोलबाग, नई दिल्ली तारीखी 180 वर्ग गज ।

तारीख 9 जून, 1987

नील

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.)/VI/SR-II/9-86/446—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 1, Block No. 16-B, situated at Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (1 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Dharambir s/o Late Shri Hari Chand R/o 431, Mathura Road, Jangpura, New Delhi and O P Chopra through Att. Kanwaljeet Singh Goindi s/o Baldev Singh Goindi R/o. A-89, Neeti Bagh, New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Jai Kumar Meerani, Harjaspat Singh, R. K. Chhabra, Mrs. N. K. Chhabra, Mrs. Gursaran Kaur, Miss Manmmet Kaur

Sodhi, Mrs. Maninder Goindi Chawla
Family Pvt. Trust, I-116, Ashok Vihar,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

"Plot No 1, Block No. 16-B, Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi, measuring 180 sq. yds.

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस आर-3/9-86/447:—
धन. मुझे टी के साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269अ के अधीन सहाय अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 16/3 है तथा जो 16/3, डब्ल्यू डू ए, करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनों के अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

धन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी प्रीतमसिंह भाज सुपुत्र स्वर्गीय एस भावा सिंह
बर्ज, निवासी-16/3, डब्ल्यू डू ए, करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी एरिस प्रोबसिएस प्रा. लिमि.
8/18, कालका एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर
एम. जगपाल सिंह बत्ता । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलुब्धताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी बिमार्ग मकान नं. 3, ब्लॉक नं. 16, एक्सटेंशन, क्षेत्र
करोलबाग, नई दिल्ली। प्लॉट नं. 1 और प्लॉट नं. 1160,
ताबादी लगभग 280 वर्ग गज।

तारीख 9 जून, 1987

संज्ञ

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. IAC.(Acq.)/R-VI/SR-III/9-86/447.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. H. No. 3, in Block XVI in West Exten. Area situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian

Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Pritam Singh Bharg[s]o Late S. Bawa Singh Bharg[s]o 16/3 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-110005.
(Transferor)
- (2) M[s. Aeries Overseas Pvt. Ltd., 8/16, Kalkaji Extn. New Delhi through its Managing Director S. Jaspal Singh Batra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

"Property bearing H. No. 3, in Block No. XVI, in West Extn. Area of Karol Bagh, New Delhi, falling in Khasra No. 1947/1164, Khewat No. 1 & Khatauni No. 1160, Measuring about 280 sq. yds.

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एम.आर.-3/9-86/451 :—
धन: मुझे टी. के. साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो 17 ए/58 इन्क्यू इ ए, करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानयन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)*, रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी धन का वाचन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम कर देने के अंतरण के वास्तविक में कमा करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या धन प्राप्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए,

धन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. आशुतोष बिसवा मोहिनी राजपाल पत्नी श्री चन्द्रभान राजपाल द्वारा एटोरना चन्द्रभान राजपाल निवासी-17ए/58, इन्क्यू इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली। (अंतरक)
2. श्री सतपाल श्रीर, नरेन्द्र कुमार श्रीर, विरेन्द्र कुमार श्रीर गुप्त बबरा नाथ निवासी 16/17, टैगोर नगर, मिनिन लाइन्स, सुधियाना वर्तमान 250-ए, अनकापुरी नई दिल्ली। (अंतरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष ;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त हो, के बाद पूर्वोक्त व्यक्तियों में किस, व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अंतरक के प.म निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में दिया परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सैंड न. 58, ब्लाक न. 17-ए, इन्क्यू इ ए, करोलबाग, नई दिल्ली। तारीख 234 वर्ग अ. 10
तारीख 9 जून 1987

नील

*(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VI/SR-III/9-86/451.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Plot of Land No. 58 situated in Block No. 17-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 234.22 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Smt. Vishwa Mohini Rajpal Shri Chander Bhan Rajpal through Attorney Shri Chander Bhan Rajpal R/o 17A/58, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Gopal Whir. Shri Narender Kumar Dhir. Virender Kumar Dhir All sons of Shri Badri Nath Dhir R/o. 16/17-B, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana at present 250A, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

"Plot of land No. 58 in Block No. 17-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 234.22 sy. yds.

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश नं. आई. ए. सी. /एक्यू./6/एन आर-3/9-86/452 :-

अतः, मुझे डाँ के साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है का धारा 269 च के अधीन मकान अधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है और जिसका संख्या है तथा जो 8/8, वेणुबधू गुप्ता रोड, नई दिल्ली 1 में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण से वर्णित है), 'रजिस्ट्रार' अधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मिनस्वर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है -

(क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. श्री मदन सिंह नय्यर सुपुत्र श्री अर्जुन सिंह [8/8, डाँ के साहू गुप्ता रोड, पहाड़गज, नई दिल्ली।

(अंतरक)

2. श्री कितोव गोविंदा सुपुत्र श्री जे आर गोविंदा (2) सुनील गोविंदा सुपुत्र श्री जे आर गोविंदा (3) श्रीमती सुधा गोविंदा पत्नी श्री जी सी गोविंदा 4319/3, अमारा रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।

(अंतरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को सामोल से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विगुण हिस्सा अथवा व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के नाम निश्चित में किये जा सकेंगे।

साटीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं. 8/8 देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली गादाबा लगभग 333.34 वर्ग गज खासरा नं. 915/710 और 711.
तारीख 9 जून, 1987

*(जो लागू न हो उसे काट देंगे।)

Ref. No. IAC (Acq.)/VI/SR-III/9-86/452.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8/8, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Madan Singh Nayyar S/o Sh. Arjun Singh R/o 8/8, D.B. Gupta Road, Paharganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. (1) Vinod Gogia S/o Sh. J. R. Gogia (2) Sh. Sunil Gogia S/o J. R. Gogia (3) Smt. Sudha Gogia W/o Sh. G. C. Gogia all R/o 4319/3 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette:

SCHEDULE

“Property bearings No. 8/8 Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi, measuring about 333.34 sq. yds. falling in Khasra No. 915/710 and 711.”

Date 9th June, 1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई.ए.सी./ए.यू./6/एस.आर.-1/9-86/925:—अन्य मुझे टी.के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) को धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वास्तव मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो बी-2/63, यशोवन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और हमने उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ... सितम्बर, 1986 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित वास्तव मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल्प के लिए अन्तरिम की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित-वास्तव मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल्प से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल्प के पद्धत प्रमाणित प्रतिकल्प है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल्प निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी धन को वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वास्तविक वास्तव में सुविधा के लिए,

अतः, अतः, अधिनियम को धारा 269-ख के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनमोहन सिंह गुप्त श्री गुरुमुखसिंह निवासी-16-तुलक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री रामोव अग्रवाल गुप्त श्री एम.ए. अग्रवाल और श्रीमति राजगनी अग्रवाल पत्नी श्री एम.ए. अग्रवाल निवासी बी-241, शिरावाला नगर, दिल्ली। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही प्रारम्भ कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्पत्ति अधिनियम पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाव में पराप्त होती हो के बाद पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी सं. बी-2/63, अशोक विहार, के-2 दिल्ली।

तारीख 9 जून, 1987

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/925.
Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No B-2/63, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Man Mohan Singh
S/o. Sh. Gurmukh Singh
R/o. 16-Tughlak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv Aggarwal
S/o. Sh. S.S. Aggarwal, and
Smt. Raj Rani Aggarwal
W/o. Shri S.S. Aggarwal both residents of
B-241, Derawalan Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

THE SCHEDULE

"Property No. B-2/63, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi".

Date 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निवेदन सं. आई.ए.सी./एस.ए.आर.-1/9-86/927 :—प्रति: मुझे टी.के. सह आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में प्रविष्ट है और जिसका संख्या है तथा जो 4866, हरबन न्यू स्ट्रीट सं. 24, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है (और इसे उचित अनुसूची के पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन *सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन तारीख ... नवम्बर, 1986 का पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त अधिनियम का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक के पत्र प्रमाण अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक निम्नलिखित उद्देश्य से अथवा अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई कियो आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्मेद बनने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी कियो आय या कियो धन या अन्य प्राप्तिया का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारक अधिनियम, 1957 का 27 के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिन्हें या, विधान में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन लिखित-लिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश गुप्ता पुत्र स्व. डा. सरूप गुप्ता करना मैनेजर आफ श्री ओम प्रकाश गुप्ता (एचयुएफ) 4318/3, दरियागंज, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मैसर्स सन्धू कन्स्ट्रक्शन 2 बी, पराग हा. सी.टी. देशमुख भाग बम्बई पार्टनर श्री टी.एस. पन्जाबी (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में स्थापन होता हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पो. नं. 4866 हरबंस सिंह स्ट्रीट नं. 24 दरियागंज, दिल्ली तावदी 283 वर्ग फीट

तारीख 9 जून 1987

*(जो लागू न हो उसे काट दें/जिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/927.—
Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4866, in Harbans Singh Street situated at No. 24, Darya Ganj, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi* has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961-read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(a) Shri Om Prakash Gupta,
S/o Late Dr. Sarup Gupta,
Karta Manager of Sh. Om Parkash Gupta,
(HUF)
4318/3, Darya Ganj, (Transferor)
New Delhi.

(2) M/s. Sindhu Construction,
27-B, Parag,
Dr. C.T. Deshmukh Marg,
Bombay Through its partner
Sh. T.S. Punjabi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

“P.N. 4866, in Harbans Singh Street,
No. 24—Darya Ganj,
Delhi measuring 283 sq. yds.”

Date 9th June, 1987

Seal

*Strike off where not applicable.

नई दिल्ली, 11 जून, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस. आर.-1/9-86/923:—
अतः, मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने के कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से
अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो 28-सी, अलीपुर
रोड, दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारोख
सितम्बर, 1986 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम,
(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर
अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा 1 के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सत्यप्रकाश अग्रवाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री आर. एल. अग्रवाल
स्वयं और जनरल एटोर्नी श्रीमती बीना अग्रवाल और संदीप
अग्रवाल निवासी-28, अलीपुर रोड, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री अनिल मूलचंदानी सुपुत्र स्वर्गीय नानक राम 2. श्रीमति
नीरू मूलचंदानी पत्नी श्री अनिल मूलचंदानी 3. जगदीश
मूलचंदानी सुपुत्र स्वर्गीय श्री नानक राम (4) पुष्पा मूलचंदानी
पत्नी जगदीश मूलचंदानी निवासी बी. डी. एस्टेट, सिविल
लाइन्स दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही
शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की
अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30
दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति
द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

अनुसूची

अभिभाष्य प्रोपर्टी नं. 28-सी, क्षेत्र 700 वर्गगज स्थित अलीपुर रोड,
दिल्ली।

तारीख 11-6-87

New Delhi, the 11th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/923 :—
Whereas, I, T.K. Sah being the Competent Authority
under section 269B of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) (hereinafter referred to as the said
Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/-and bearing No Undivided property
No.28/C, Alipur Road, situated at Delhi (and more
fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred and *registered under Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering
Officer at N. Delhi in Sept. 1987 for an apparent
consideration which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the transferor(s) and transferee(s) has not
been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the transfer :
and

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of
1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1952
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the Issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the
following persons, namely :

- (1) Shri Satya Prakash Aggarwal
S/o. Late R.L. Aggarwal for self and as
Genl. Attorney of Smt. Bina Aggarwal and
Sandeep Aggarwal
R/o. 28, Alipur Road, Delhi (Transferor).

(2) Shri/Smt./Km.

- (1) Anil Moolchandani
S/o. Late Nanak Ram
- (2) Smt. Neeru Moolchandani
W/o. Anil Moolchandani
- (3) Jagdish Moolchandani
S/o. Late Sh. Nanak Ram
- (4) Smt. Pushpa Moolchandani
W/o. Sh. Jagdish Moolchandani
R/o. 100 B.D. Estate, Civil Lines, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"Undivided property No. 28/C, Area 700 sq. yds. situated at Alipur Road, Delhi".

Date 11th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable

नई दिल्ली, 12 जून, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस. आर.-II/9-86/415:—
धतः मुझे ————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सख्त अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या जे.-3/134 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः धन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) स. जोगिन्दर सिंह, पुत्र स. किसान सिंह जे.-3/134, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं, रतनकर इन्टरनेशनल द्वारा पार्टनर श्रीमती आशा गुलाटी पत्नी श्री नन्द किशोर गुलाटी और मोहन गुलाटी पत्नी श्री मूलक राज निवासी जे.-3/135 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सो. नं. जे.-3/134, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली
तारीख 12-6-87

मोहर

*(जो लागू न हो उसे काट डीजिए)

New Delhi, the 12th June, 1987

Ref.No.I.A.C. (Act)/Range VI/SR-II/9-86/415 :
Whereas I T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/-and bearing No. J-3/134, Rajouri Garden situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) S. Joginder Singh
S/o. S. Kishan Singh
J-3/134, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri M/s. Satkar International through its partner Mrs. Asha Gulati
W/o. Mr. Nand Kishore Gulati and Sh. Mohan Singh
S/o. Mulakh Raj, J-3/135 (J-3/135)
Rajouri Garden, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“J-3/134, Rajouri Garden,
New Delhi”

Date 12th June, 1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./ए.सी.-6/37 ई. बी/9-86/88:—यस मुक्त टी. के. साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जी. प्लॉट नं. यू. जी.-9 व एल-9 प्लॉट नं. 10 आशाफमल्ली रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन तारीख सितम्बर, 1987 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित:—

- (1) मैं एसल प्रोपर्टीज और इण्डस्ट्रीज बी.-10, लॉरेन्स रोड, औद्योगिक एरिया नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मैं जैकसन लेवीरेटीज 1496, पहली मंजिल, भागीरथ प्लेस दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि याद में समाप्त होली हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 30-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. यू. जी. 9, ब एल 9, अपर ग्राउंड फ्लोर व लोफ्ट

प्लोर प्लॉट नं. 10 आशफ अली रोड, नई दिल्ली ।

तारीख 12-6-87

मोहर

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range VI/37EE/9-86/88.—
Whereas I, T.K. SAH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. UG-9 & L-9/Upper Ground Floor and Loft Floor/377.65 and 285.39 sq. ft. situated at 10, Asaf Ali Rd. N.Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s. 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s Essel Properties & Industries
B-10, Lawrence Road Indl. Area,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Jackson Laboratories
1496, 1st Floor, Bhagirath Place,
Delhi-110006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“Flat No. UG-9 & L-9/Upper Ground Floor and Loft Floor/377.65 ;& 285.39 sft.” Plot No. 10, Asaf Ali Road, New Delhi.

Dated 12th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू.-6/37 ई. ई.-9-86/90:—अन मूजे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 17 ए है तथा जो नजफगढ़ रोड इण्डस्ट्रियल एरिया नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्त्रह प्रतिपात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाखल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती नरिन्दर कान्ता परानी श्रीमती सन्तोष कुमारी 16-ई, कमला नगर, दिल्ली-7 (अन्तरक)
- (2) सी. विपुल प्रोपर्टीज प्रा. लिमिटेड बी-9, मायापुरी इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होते ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 17-ए, नजफगढ़ रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली तादाकी 1993.3 वर्गगज

तारीख 12-6-87

मीहूर

*(जो लागू न हो उसे काट बीजिए)

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range VI/37EE/9-86/90.—Whereas I, T.K. SAH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 17-A, situated at Najafgarh Road Industrial area, New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Smt. Narinder Kanta and Smt. Santosh Kumari, 16-E, Kamla Nagar, Delhi-110007. (Transferor)
- (2) M/s. Vipul Properties (P) Ltd. B-9, Maya Puri, Indl. area, Phase-I New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

"Plot No. 17-A, Najafgarh Road, Industrial area, New Delhi Measuring 1993.3 sq. yds. Date: 12th June 1987.

Seal

*Strike off where not Applicable

निर्देश नं. आई.ए.सी./एनयू.8/37ई.ई./9-86/182.—अतः मुझे टी.के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सन्ध्या है तथा जो बारा हिंदुराब, नया रोहतक रोड व किसानगंज नई दिल्ली में स्थित है (और हमने उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कब के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का

उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिगत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर प्रति :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारो मै. कैलाशनाथ एंड एसोसियेट्स
18 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001
(अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारो मै. डी. सी. एम. लिमिटेड (अन्तरितों)
बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावरसंपत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधो-हस्ताधारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकृत है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) हर एक वस आभासी भवनों में कुल बने हुए व वित्तिय योग्य ऐरिये का 52% और
- (2) हर एक ग्राउ फ्लैटिड फेक्टरीज में कुल बने हुए व वित्तिय योग्य ऐरिये का 60% जो कि मै. कैलाशनाथ एंड एसोसियेट्स द्वारा, डी.सी.एम. की बाड़ा हिन्दू राव, नया रोहतक रोड व किशानगंज दिल्ली में स्थित जमीन पर बनाये जाएंगे।

तारीख 12-8-87

अक्षर

(जो लागू होता हो उसे काट दिया)
454 GI/87

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/182.—
Whereas I.T.K. Sah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. D.C.M. Ltd., at Bara Hindu Rao, New Rohtak Road, Kishanganj, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates
18, Barakhamba Road,
New Delhi-110001 (Transferor)
- (2) M/s. DCM Limited.
Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

- (i) 52% of the total built up and all other saleable areas in each of the ten residential; and
- (ii) 60% of the total built up and all other saleable areas in each of the eight flatted factories., buildings to be constructed by M/s. Kailash Nath & Associates on the land in possession of DCM Ltd. at Bara Hindu Rao, New Rohtak Road, Paharganj, Delhi.

Date 12th June, 87.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू/6/37EE/9-86/184.—प्रतः मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो 10-सी, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण के द्वारा किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी वन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर —

1. श्री/श्रीमती कुमारी । सतीश कोहली 1/2 जनपथ लेन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) राजन ज्योतिष कोहली एस-154, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली ।
- (3) रमेश राज कोहली डी-21, एन डी एस ई 2, नई दिल्ली ।
- (4) विवेका कोहली 10बी, सर गंगा राम हॉस्पिटल नई दिल्ली (अन्तरितों)

2. श्री/श्रीमती कुमारी मोरियण्डल मरकटाहल्स कं. लिमि.

पंजीकृत कार्यालय 36ए एंड बी, प्रतापदिव्य रोड, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अनुबन्ध 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अनुबन्ध में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी बिपरिग नं. 10-सी कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

तारीख 12-6-87

मोहर

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/184—Whereas I.T.K. Sah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No.10-C Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

(1) Shri Satish Kohli,
1/2, Jyotish Lane, New Delhi., 2 Rajen
Jyotish Kohli S-154, G. Kailash-II,
(Transferor)

3. Ramesh Raj Kohli,
D-21, NDSE-II and Sh. Vivek Kohli,
10-B, Sir Ganga Ram Hospital Road,
New Delhi. (Transferer)

(2) The Oriental Mercantile Co.Ltd.,
Regd. Office : 36, A & B,
Pratapaditya Road,
Calcutta-700026. (Transferee)
M/s. Khaitan Electricals Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“Property bearing No. 10-C, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi”.

Dated 12 June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable

निर्देश सं. आई. ए. पी. ए. नं. 6/37 15/9-86/152.—प्रतः, मुझे, टी. के. साहू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका वर्णित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 312/312, सिडिकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम

1981 की धारा 269क के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का वर्णित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यतिः—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी एस बी सेल्ल लिमि.
यूबी-1, प्रंसल भवन, 16-के जी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी यूपी टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट, लिमि.
504/32-33 कुसुम बाजार, नेहरू प्लेस नई दिल्ली। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रक्षेपः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 312/ता.बा.दो 485 वर्ग फीट सिडिकेट हाउस, 3 ओल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

तारीख 12-6-87

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए

Ref. No. I. A. C. (Acq)/VI/37EE/9-86/152.—

Whereas, I. T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 312, in Syndicate House, situated at 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C,

I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s. S.B. Sales Pvt. Ltd., UB-1,
Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. UP Town Trading and Investments Ltd.
504/32-33, Kusal Bazar,
Nehru Place,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“Flat No. 312 measuring 485 sq. ft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.”

Date 12th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं.आई.ए.सी./एक्यू/6/37EE/9-86/152.—अतः, मुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ————— है तथा जो स्पेस न. 203-ग, सिटीकेट हाउस 3 ओल्ड रोहताक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपरिबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), "सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी एस. बी. सेल्स प्रा. लिमि.
यूबी-1, अंशल भवन, 16-क. जी. मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी मैसर्स यूपी टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लिमि.
504, कुसल बाजार, 32-33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में संभा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं. 203-ए, 335 वर्गफीट सिंडीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहताक रोड। दिल्ली।

तारीख 12-6-87

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

टी.के.साह,

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन 6 रोज़ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

Ref. No. I. A. C. (Acq)/VI/37EE/9-86/153.

Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 203-A in Syndicate House situated at 3, Old Rohtak Road, Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi* has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

454 GI/87-4

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd. UB-1, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“Space No. 203-A of 335 sft. in Syndicate House 3-Old Rohtak Road, Delhi”.

Date : 12-6-87

Seal :

*Strike off where not applicable.

T. K. SAH,

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range, VI
New Delhi-110002

